टीएसपी के तहत आदिवासी किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
गॉव गलीबीली, तालुका घोघंबा, जिला पंचमहाल में आयोजित
(09.03.2022, आणंद, गुजरात)

आदिवासी किसानों की आजीविका सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से "गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देना" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 09.03.2022 को गलीबीली, तालुका घोघंबा, जिला पंचमहाल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद, गुजरात में संचालित जनजातीय उप योजना के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाकृअनुप-औसपाअनुनि, आणंद के रिसोर्स पर्सनके पुष्प स्वागतके साथ हुआ,जिसके बाद प्रगतिशील किसानश्री वर्तन भाई राठवा, सरपंच, गलीबीली और श्री जीतू भाई चावड़ा, ग्राम सेवक, गलीबीली का पुष्प स्वागत किया गया।

डॉ. के. ए. कालरीया, नोडल अधिकारी, टीएसपी, आईसीएआर-डीएमएपीआर ने किसानों का स्वागत किया, टीएसपी योजना के तहत गतिविधियों की शुरुआत की और बताया कि औषधीय एवं सगंधीय पौधों की खेती के माध्यम से अतिरिक्त आय कैसे प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती के तरीकों और आर्थिक पैकेज के बारे में भी बताया। डॉ. आर. पी. मीना, वैज्ञानिक ने चयनित सगंधीय फसलों के रोग और उसके प्रबंधन तथा खेती की तकनीकों का वर्णन किया। डॉ. प्रिंस चोयल ने एमएपी की खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सभी पंजीकृत लाभार्थी आदिवासी किसानों के बीच कुल 50 जल भंडारण टैंक (500 लीटर क्षमता) वितरित किए गए। श्री एस. बी. प्रजापति, तकनीकी अधिकारी, आईसीएआर-डीएमएपीआर, आणंद द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ प्रशिक्षण का समापन किया गया।

(स्रोत :कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात |)